भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये **Rs. 100**

रु. 100 ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

महाराष्ट्र MAHARASHTRA ◑ 2022 ◑ 14AA 247030

१. मुद्रांक विक्री नोंदवही अनु.क्र.दिनांक [illegible]

२. दस्ताचा प्रकार [illegible]

३. दस्त नोंदणी करणार आहेत का होय/नाही

४. मिळकतीचे थोडक्यात वर्णन

५. मुद्रांक विक्री घेणाऱ्याचे नांव व सही [illegible]

६. हस्ते … नांव, पत्ता व सही [illegible]

७. दुसऱ्या पक्षकाराचे नांव

८. मुद्रांक शुल्क रक्कम

९. … मुद्रांक विक्रेत्याची सही व परवाना क्र.

… तहसिल कार्यालय वाई

नांव : श्री. … भावे

परवाना क्र. २३११००६

तहसिल कार्यालय वाई

SUB TREASURY OFFICE, WAI

10 AUG 2022

SUB TRY OFFICER, WAI

समन्वय अनुबंध

(सामंजस्यकरार)

शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद

विमल निवास,प्लाटनं.13, त्रिमूर्ति कॉलनी ,सांगली

(पंजीकरण –महाराष्ट्र /433/14)

और

किसन वीर महाविद्यालय,वाई

तहसील-वाई ,जिला-सातारा,पिन -412803

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र को अपनी अस्मिता , राष्ट्रीय एकता और अंतरप्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा की नितांत आवश्यकता है। सदियों से हिंदी वह कार्य करती आई है। शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद,सांगली यह संस्था महाराष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार करनेवाली एक समाजसेवी परिषद है। इस परिषद द्वारा वार्षिक अधिवेशन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, पुनर्रचित पाठ्यक्रम कार्यशाला संयोजन के लिए बौद्धिक सहयोग दिया जाता है। भविष्य में व्याख्यानमाला, सम्मेलन, परिसंवाद, साप्ताहिक कोर्स, वक्तृत्व, लेखन ,पठन,कथन, मंचन प्रतियोगिताएँ आदि के आयोजन का भी मानस है।

संक्षेप में शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद राष्ट्रीय ,सांस्कृतिक , साहित्यिक , शैक्षिक प्रवृत्तियों का संचालन करनेवाली तथा राष्ट्रीय एकात्मकता का सराहनीय कार्य कर रही है। यह परिषद 'हिंदी है हम' इस नारे को जनमानस पर अंकित कर रही है।

अतः शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद सांगली और किसन वीर महाविद्यालय,वाई तहसील-वाई ,जिला-सातारा के बीच गुरूवार दिनांक -25 अगस्त 2022 को पाँच सालों (2022 से 2027) के लिए समन्वय (सामंजस्य करार) हो रहा है। इस अनुबंध का उद्देश्य निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है।

क) नीति :

1.हिंदी भाषा साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना। राष्ट्रभाषा हिंदी को अधिकाधिक प्रसारित करना ,जिससे राष्ट्रभाषा का स्वरुप सर्वग्राह्य हो।

2.राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास देश की प्रादेशिक भाषाओं के संपर्क और उनके विकास के साथ संपन्न होता रहे।

3.अहिन्दी भाषी क्षेत्र में हिंदी को प्रसारित कर राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व को स्थापित करना।

4.अन्यान्य प्रदेशों में प्रादेशिक भाषाओं का स्थान और सम्मान बना रहे तथा अंतरप्रांतीय व्यवहार के लिए राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रयोग हो।

5.राष्ट्रभाषा हिंदी के द्वारा राष्ट्रीय एकात्मकता निर्माण हो।

ख) उद्देश्य :

1.राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार करना तथा भारतीय संविधान के 17 वें भाग के 343 वीं धारा में निर्देशित राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी के प्रचार और विकास में सहायता प्रदान करना।

2.राजभाषा हिंदी की पढ़ाई का प्रावधान करना।

3.हिंदी भाषा ,साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना।

4.भारत में प्रचलित सभी भाषाओं, विशेष रूप से मराठी भाषा के द्वारा हिंदी के विकास में सहायता प्रदान करने का प्रयास करना ,मराठी तथा भारत में प्रचलित सभी भाषाओं का हिंदी के साथ पारस्परिक संबंध दृढ करने के लिए मराठी आदि भाषाओँ की पढ़ाई का प्रावधान करना। उनके माध्यम से सभी पोषक प्रवृत्तियों को चलाना तथा राष्ट्रीय एकात्मकता को पुष्ट करना।

(ग) कार्यक्रम:

1. 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
3. हिंदीभिमुख कार्यशाला का आयोजन
4. 10 जनवरी 'विश्व हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन

(घ) नियम :

1.स्वखर्च से एक दूसरे को सहयोग देना।

2.समन्वय अनुबंध की बातों का आवश्यकतानुसार नुतनीकरण करना।

3. पूर्व लिखित सूचना के साथ दोनों में से किसी भी संस्था को अनुबंध समाप्ति का अधिकार रहेगा।

4. परस्पर सम्मति से निर्धारित कालावधि के बाद फिर से पाँच सालों के लिए यह समन्वय अनुबंध जारी रखा जा सकता है। इसके लिए निश्चित तारीख तथा लिखित अनुमति की आवश्यकता रहेगी।

(च) समन्वय :

1.प्रस्तुत समन्वय अनुबंध के जिम्मेदार शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद के अध्यक्ष /सचिव तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य तथा विभाग प्रमुख रहेंगे।

2.प्रस्तुत समन्वय अनुबंध कानूनन प्रावधानों के साथ प्रतियों में कार्यान्वित हो रहा है।

उपर्युक्त दिनांक और वर्षानुसार प्रस्तुत समन्वय अनुबंध पर निम्नांकित समन्वयक अधिकारियों के हस्ताक्षर अमल हो रहा है।

प्रा.डॉ.भानुदास आगेडकर	प्रा.डॉ.सुनिल बापू बनसोडे	डॉ.गुरुनाथ फगरे
अध्यक्ष , हिंदी विभाग	अध्यक्ष,	प्रधानाचार्य,
किसन वीर महाविद्यालय,वाई	शिवाजी विद्यापीठ हिंदी	किसन वीर महाविद्यालय,वाई
ता.वाई ,जिला –सातारा	हिंदी प्राध्यापक परिषद	ता.वाई ,जिला –सातारा

J.S. SANSTHA'S KISAN VEER MAHAVIDYALAYA Wai Dist Satara

शिवाजी विद्यापीठ हिंदी प्राध्यापक परिषद पंजीकरण महाराष्ट्र/433/14

PRINCIPAL KISAN VEER MAHAVIDYALAYA Wai, Dist. Satara